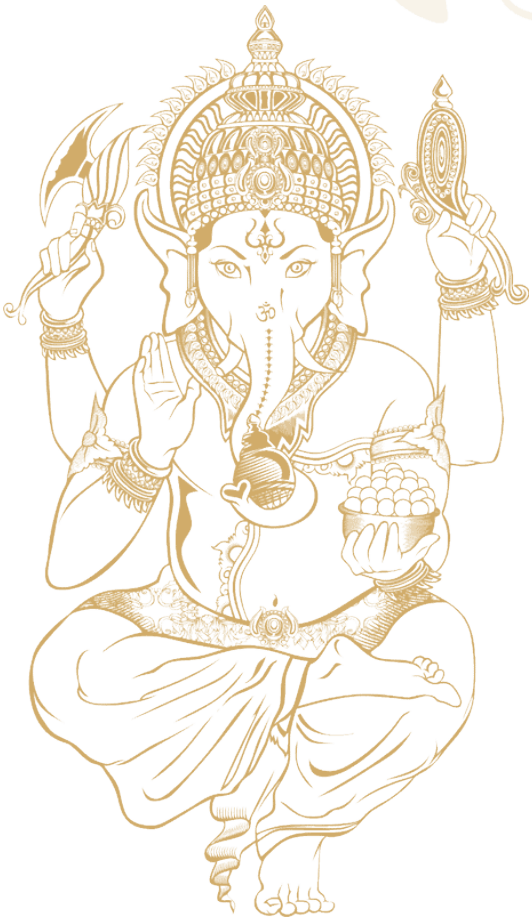

Mr.prem lalit sweety

30 Oct 1986

08:00 AM

Udaipur

Model: Varshphal-2017

Order No: 119636001

तिथि 30/10/1986 **समय** 08:00:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Udaipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:40:16
अक्षांश 24:36:00 उत्तर **रेखांश** 73:47:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:34:52 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	09:57:37 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:16:20 घं	योनि	गौ
सूर्योदय	06:40:33 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	17:56:26 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2043	वश्य	मानव
शक संवत	1908	वर्ग	श्वान
मास	कार्तिक	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	भूमि
तिथि	12	जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
नक्षत्र	उ०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
योग	ऐन्द्र	होरा	मंगल
करण	तैतिल	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 9मा 29दि
गुरु
28/08/2025
28/08/2041

गुरु	17/10/2027
शनि	29/04/2030
बुध	04/08/2032
केतु	11/07/2033
शुक्र	11/03/2036
सूर्य	28/12/2036
चन्द्र	29/04/2038
मंगल	05/04/2039
राहु	28/08/2041

योगिनी
सिद्धा 4वर्ष 5मा 18दि
सिद्धा
18/04/2020
19/04/2027

सिद्धा	28/08/2021
संकटा	19/03/2023
मंगला	29/05/2023
पिंगला	18/10/2023
धान्या	18/05/2024
भ्रामरी	27/02/2025
भद्रिका	17/02/2026
उल्का	19/04/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			29:18:28	तुला	विशाखा	3	गुरु	सूर्य	---	0:00			
सूर्य			12:42:00	तुला	स्वाति	2	राहु	बुध	नीच राशि	1.28	पुत्र	पितृ	क्षेम
चंद्र			01:29:22	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	मित्र राशि	1.07	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			18:42:42	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	उच्च राशि	1.45	भ्रातृ	भ्रातृ	सम्पत
बुध			04:50:19	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	शनि	सम राशि	1.41	ज्ञाति	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		19:26:45	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	मंगल	सम राशि	1.01	अमात्य	धन	क्षेम
शुक्र	व	अ	22:41:33	तुला	विशाखा	1	गुरु	शनि	स्वराशि	1.22	आत्मा	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			14:27:33	वृश्चि	अनुराधा	4	शनि	राहु	शत्रु राशि	1.06	मातृ	आयु	साधक
राहु	व		26:09:11	मीन	रेवती	3	बुध	गुरु	सम राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		26:09:11	कन्या	चित्रा	1	मंगल	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

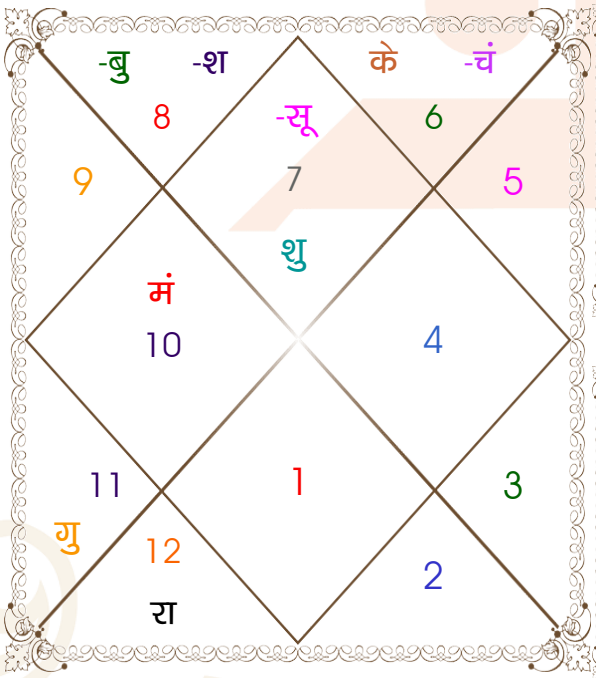

चन्द्र कुंडली

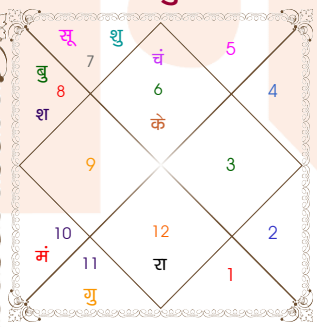

नवमांश कुंडली

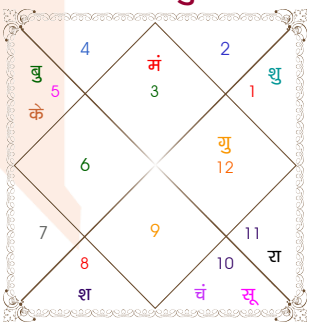

सर्वाष्टकवर्ग

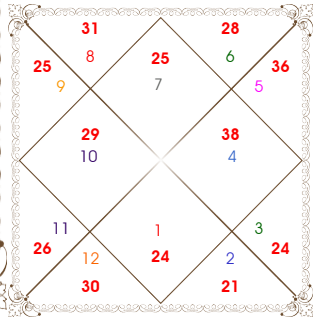

दशमांश कुंडली

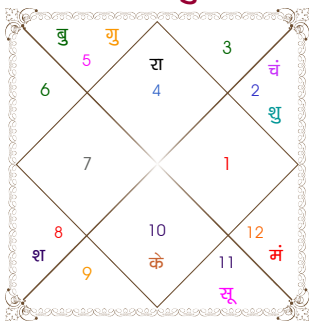

Krishna jyotish paramarsh Kendra (पूज्य दादा गुरु पण्डित स्व:किशन लाल जोशी की स्मृती में)
4 shanti ni ketan society bedala badgaon link road Udaipur Rajasthan
पण्डित गिरधारी जोशी पंडित भूपेंद्र जोशी
9571652706 9414829758
jbhupendrajoshi@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर से आप समय समय पर कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी। मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता की अनुभूति होगी। संतति पक्ष से इस समय आप चिन्तित तथा परेशान रहेंगी तथा वे अपने कार्य क्षेत्र में विशेष उन्नति नहीं करेंगे। साथ ही उनसे आपको सुख एवं सहयोग सामान्य ही प्राप्त होगा। शत्रु एवं विरोधी प क्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा आपके लिए वे समय समय पर चिन्ताएं तथा परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष भौतिक सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा यात्रा आदि से लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक मात्रा में होगी। अतः लम्बी दूरी की यात्राओं की इस समय आप यत्नपूर्वक उपेक्षा करें। मित्र एवं संबंधियों से भी आपको सामान्य सहयोग प्राप्त होगा तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष विशेष अच्छा नही रहेगा तथा व्यापार में आपको परेशानी तथा समस्याएं उत्पन्न होगी साथ ही हानि की संभावना रहेगी। इस समय आपके लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति में इस वर्ष आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः इनकी उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक दृष्टि से भी आपका समय मध्यम रहेगा तथा यदा कदा व्ययधिक्यता के कारण आपको परेशानी रहेगी। इसके अतिरिक्त मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को देखते हुए आपको अपने समस्त कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करना चाहिए।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आपके लिए समय अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी फलतः आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। अतः आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगी। इस समय आपके हृदय में व्याकुलता रहेगी फलतः मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित रहेंगी तथा वे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आपको काफी परेशानी तथा असुविधा उत्पन्न होगी। इस वर्ष में आपके सामाजिक मान सम्मान में भी न्यूनता के अवसर आ सकते हैं।अतः ऐसे अवसरों की यत्नपूर्वक आपको उपेक्षा करनी चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र में भी आपकी स्थिति सन्तोष जनक नहीं रहेंगी।राजनीति या नौकरी में आपके वरिष्ठ सहयोगी या उच्चाधिकारी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र में पदोन्नति संबधी व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही नौकरी आदि छूटने का भी भय रहेगा।व्यापार आदि में भी इस समय आपके लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः कारोबार में कमी रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी। इस समय बेरोजगारों को कार्य मिलने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। अतः इस वर्ष संघर्ष के लिए तत्पर रहें तथा संयमपूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि के भाव की अल्पता रहेगी। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा तथा यदा कदा संबधों में भी मधुरता का अभाव रहेगा। शत्रुपक्ष से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक कठिनाईयां उत्पन्न करेंगे अतः शत्रु पक्ष से आपको पूर्ण सतर्क रहना चाहिए। इस वर्ष में आपके घर में चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में सावधानी पूर्वक रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अन्यत्र आय स्रोतों में भी व्यवधान रहेगा।इसके अतिरिक्त यदा कदा व्यय की अधिकता रहेगी फलतः आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा व्यापार में आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण स्थिति रहेगी। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परेशानी होगी। अतः ऐसे समय में आपको इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त अन्य मानसिक संकल्पों तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको अल्प सफलता प्राप्त होगी। अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

प्रथम मास

30/10/2025 07:48:03 से 29/11/2025 03:15:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	26:38:00
सूर्य		तुला	स्वाति	12:42:00
चन्द्र		मकर	श्रवण	17:33:45
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	01:53:42
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	06:25:09
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:40:26
शुक्र		कन्या	चित्रा	25:58:00
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:40:00
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:16:56
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:16:56
मुंथा		मकर	धनिष्ठा	29:18:28

मासाधिपति

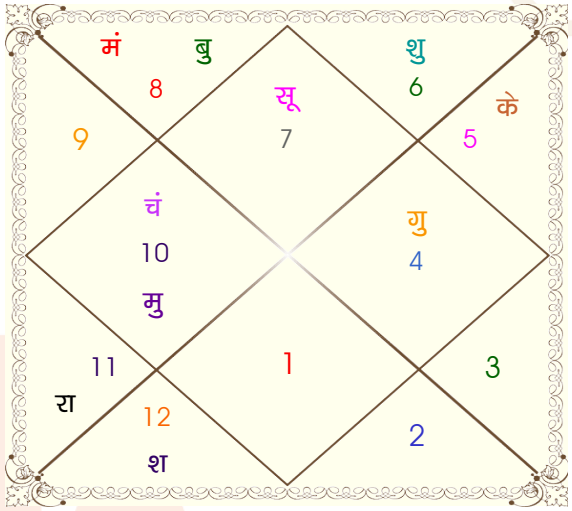

मासाधिपति : शनि

इस मास में आपको मिले जुले फल प्राप्त होंगे। अतः शरीर से आप अस्वस्थ रहेंगी एवं अन्य प्रकार से कष्टानुभूति भी प्राप्त कर सकती हैं। शत्रुओं से इस मास आपको कई प्रकार से कठिनाइयां तथा असुविधाएं उत्पन्न होंगी फलतः भय का वातावरण विद्यमान रहेगा। साथ ही पारिवारिक एवं बन्धुजनों से आपसी सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न होंगे जिससे परिवार में अशान्ति का वातावरण रहेगा फलतः मानसिक रूप से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपके कार्यक्षेत्र में इस मास रूकावट आसकती है या कार्य में परिवर्तन आ सकता है। साथ ही समाजिक जनों से अनावश्यक विवाद होने के कारण आपकी प्रतिष्ठा में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि एवं शारीरिक रूग्णता भी हो सकती है।

लेकिन इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता एवं मन में सन्तोष तथा बुद्धि की भी वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपका सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धार्मिक कार्यों में भी आप रूचिशील रहेंगी।

द्वितीय मास

29/11/2025 03:15:55 से 28/12/2025 15:35:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:23:12
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	12:42:00
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:14:44
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:31:28
बुध	व	तुला	विशाखा	26:32:57
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:26:24
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	03:20:48
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:56:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:42:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:42:09
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	01:48:28

मासाधिपति

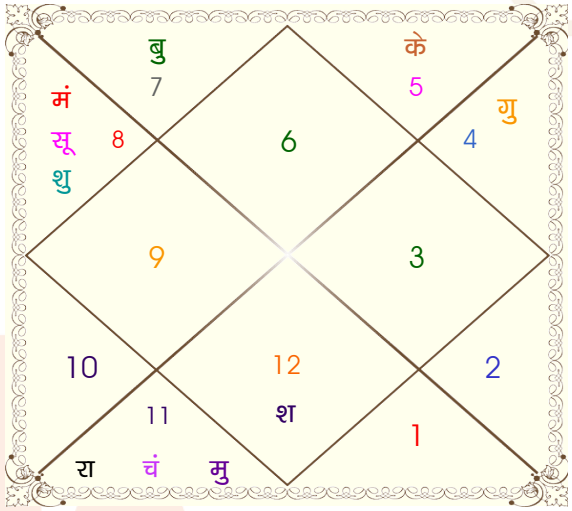

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। आपके शरीर में इस समय रुग्णता के कारण निर्बलता रहेगी तथा शत्रु भी प्रबल होंगे एवं आपके लिए अनावश्यक रूप से भय तथा चिन्ता उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। यदि आप कहीं कार्य कर रही हों तो आपको अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दंडित हो सकती हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का भी आप अनावश्यक रूप से व्यय करेंगी। इस मास आप किसी कठोर कार्य को करने के लिए भी प्रेरित हो सकती हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ेगा अतः कोई भी कार्य आपको सोच समझ कर सम्पन्न करना चाहिए। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्धों में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज में आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति या पुरुष वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा स्वबुद्धि चातुर्य से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं किसी धार्मिक उत्सव को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार यह मास आप मध्यम रूप से ही व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास

28/12/2025 15:35:16 से 27/01/2026 02:33:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	10:07:00
सूर्य		धनु	मूल	12:42:00
चन्द्र		मीन	रेवती	20:37:05
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:43:40
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:00:30
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:35:49
शुक्र		धनु	मूल	10:28:50
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:44:49
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:08:19
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:08:19
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	04:18:28

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

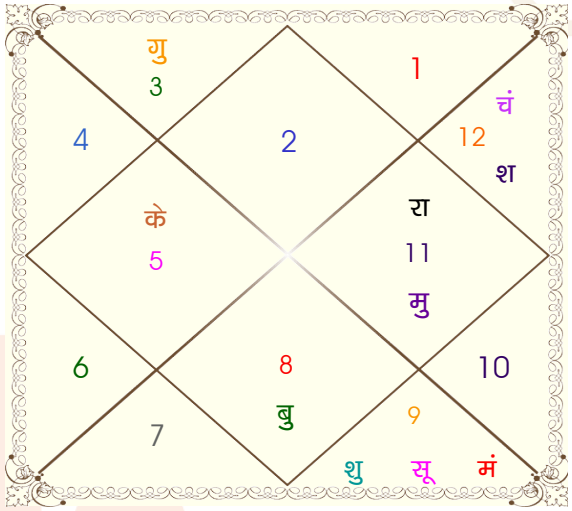

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी जन आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप प्रोन्नत भी हो सकती हैं।मित्रों एवं बन्धुजनों से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में रुचिशील रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे तथा मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं उनकी पूजा एवं सेवा करने में आप तत्पर रहेंगी। इस समय समाजिक जनों में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा समाज में यश भी प्राप्त होगा साथ ही अन्य प्रकार से भी धन एवं लाभ अर्जित करने में आप सफल रहेंगी इसके अतिरिक्त पिछली असफल आशाओं में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप पति एवं पुत्रों से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं बुद्धि में भी निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों को अर्जित करने में भी सफल होंगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही अनुकूल तथा शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास

27/01/2026 02:33:59 से 25/02/2026 18:19:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:26:21
सूर्य		मकर	श्रवण	12:42:00
चन्द्र		मेष	भरणी	21:34:55
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:30:02
बुध		मकर	श्रवण	16:17:20
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:44:01
शुक्र		मकर	श्रवण	17:31:29
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:55:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:34:39
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:34:39
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	06:48:28

मासाधिपति

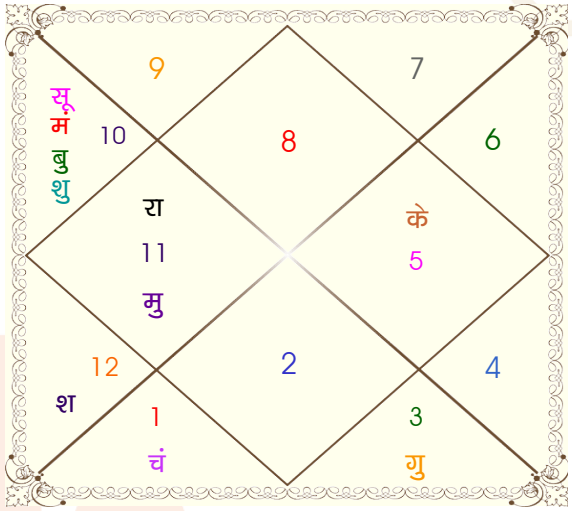

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप शुभाशुभ फल प्राप्त करेंगी। इससे आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक दुर्बलता की भी आप अनुभूति करेंगी। साथ ही दुश्मनों से भी आप चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी जिससे मानसिक रूप से चिन्तित एवं अशान्त होंगी। इस समय पारिवारिक जनों से संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा परस्पर मन मुटाव अधिक मात्रा में रहेगा। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय मन्दी आएगी तथा स्थान परिवर्तन के योग भी बन सकते है। साथ ही किसी कारण वश आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से आपके मधुर संबध अल्प ही रहेंगे तथा विवाद अधिक मात्रा में सम्पन्न होंगे जिससे समाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग अथवा अन्य प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगी। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी शुभ फल प्राप्त हो सकते है।

पंचम् मास
25/02/2026 18:19:14 से 27/03/2026 19:49:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	09:59:56
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	12:42:00
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	26:06:05
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	01:47:19
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:17:41
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:09:55
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:40:02
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:05:22
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:00:22
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:00:22
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	09:18:28

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

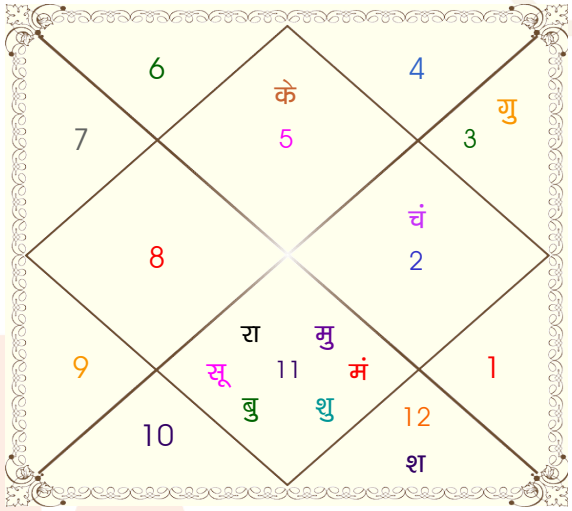

इस महीने में आप कष्ट एवं परेशानियां ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। अतः पति एवं बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगी एवं दुश्मनों की ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी फलतः आपके मन में बैचेनी का भाव विद्यमान रहेगा। इस मास में आप उत्साह पूर्वक किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में असफल रहेंगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपको आर्थिक संकट से भी गुजरना पड़ेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा परस्पर अनावश्यक वैमनस्य एवं तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही ऐसे समय में आपके मित्र भी शत्रु की तरह वर्ताव करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक जनों से भी वाद विवाद होते रहेंगे। अतः आप अत्यत ही अशान्ति की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में आप वातोत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा इस समय किसी ऐसे कार्य को भी कर सकती हैं जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा उसके लिए बाद में पश्चाताप करेंगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार की हानि प्राप्त कर सकती है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

षष्ठ मास

27/03/2026 19:49:58 से 27/04/2026 09:39:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	27:20:07
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	12:42:00
चन्द्र		कर्क	पुष्य	05:52:14
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:26:42
बुध		कुम्भ	शतभिषा	16:19:26
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:17:49
शुक्र		मेष	अश्विनी	01:59:23
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:46:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:24:47
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:24:47
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	11:48:28

मासाधिपति

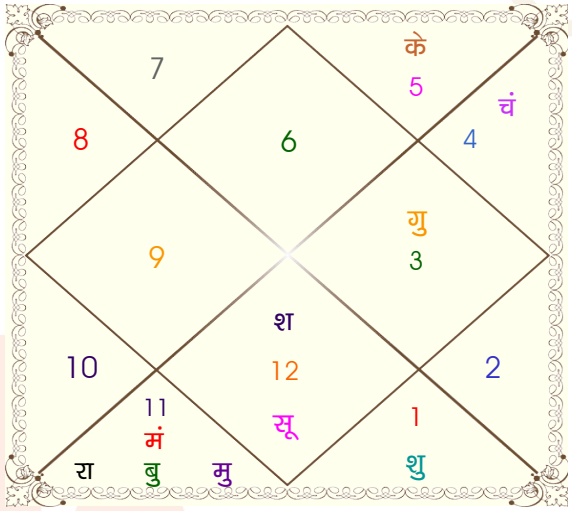

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। अतः आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी इस समय आपके शत्रु भी प्रबल होंगे तथा आपके लिए अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहना श्रेयकर रहेगा। साथ ही नौकरी या व्यापार में भी उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करने में तत्पर रहें अन्यथा आप किसी प्रकार से दण्डित भी हो सकती है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप शिथिल रहेंगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपकी प्रतिष्ठा में अल्पता आएगी।साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे एवं आपकी आशाएं भी इस मास में कम ही पूर्ण होगी। अतः संयमपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी करने के लिए तत्पर होंगी जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़ेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आपकी धन हानि हो सकती है अतः बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

सप्तम् मास
27/04/2026 09:39:47 से 28/05/2026 11:07:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:22:20
सूर्य		मेष	अश्विनी	12:42:00
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:27:01
मंगल		मीन	रेवती	19:12:38
बुध		मीन	रेवती	24:49:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:10:12
शुक्र		वृष	कृतिका	09:25:27
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:29:03
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:47:34
केतु	व	सिंह	मघा	11:47:34
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	14:18:28

मासाधिपति

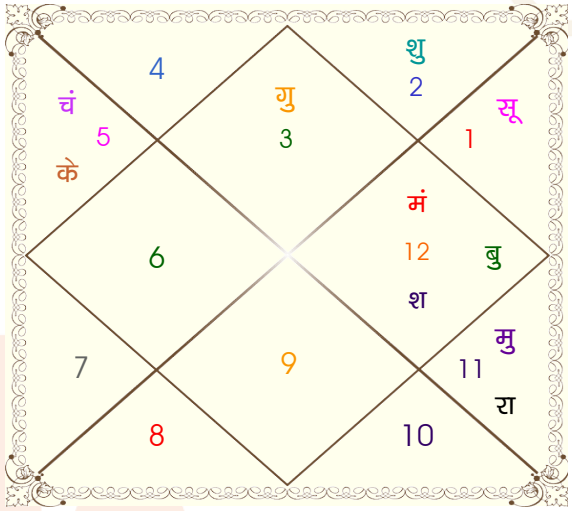

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप किसी सम्मानित पद को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा सरकार या अधिकारी वर्ग से भी लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय सम्बन्धी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा दूर समीप की लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस प्रकार इस समय आपकी सर्वत्र यश तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी एवं उनमें लाभ अर्जित करके सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी असीम श्रद्धा रहेगी। इस प्रकार इस महीने को आप अत्यंत ही सुख एवं आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगी।

अष्टम् मास

28/05/2026 11:07:22 से 28/06/2026 20:15:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	24:24:52
सूर्य		वृष	रोहिणी	12:42:00
चन्द्र		तुला	स्वाति	08:10:32
मंगल		मेष	अश्विनी	12:44:06
बुध		वृष	मृगशिरा	28:07:41
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:08:17
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	16:42:44
शनि		मीन	रेवती	17:41:27
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:08:48
केतु	व	सिंह	मघा	10:08:48
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	16:48:28

मासाधिपति

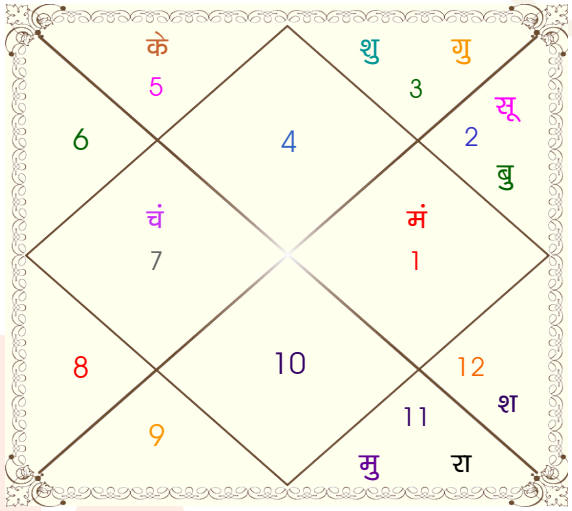

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास को आप मध्यम रूप से व्यतीत करेंगी तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा। अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। इस महीने में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा ही रहेगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक एवं मानसिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी कर सकती है। इस समय आपके सांसारिक कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होंगे फलतः इनमें आपको अल्प सफलता ही प्राप्त होगी। इसके कारण आप मानसिक रूप से तनाव तथा अशान्ति का अनुभव करेंगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की अभिवृद्धि होगी जिसके कारण महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त धन भी आप प्रचुर मात्रा में अर्जित करेंगी तथा धर्मानुपालन में प्रवृत रह कर समाज में यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में न्यूनाधिक सफल रहेंगी।

नवम् मास

28/06/2026 20:15:24 से 30/07/2026 06:50:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:20:35
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	12:42:00
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:34:53
मंगल		वृष	कृतिका	05:37:49
बुध		कर्क	पुनर्वसु	01:58:47
गुरु		कर्क	पुष्य	05:25:23
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	23:15:13
शनि		मीन	रेवती	19:51:01
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:29:02
केतु	व	सिंह	मघा	08:29:02
मुंथा		कुम्भ	शतभिषा	19:18:28

मासाधिपति

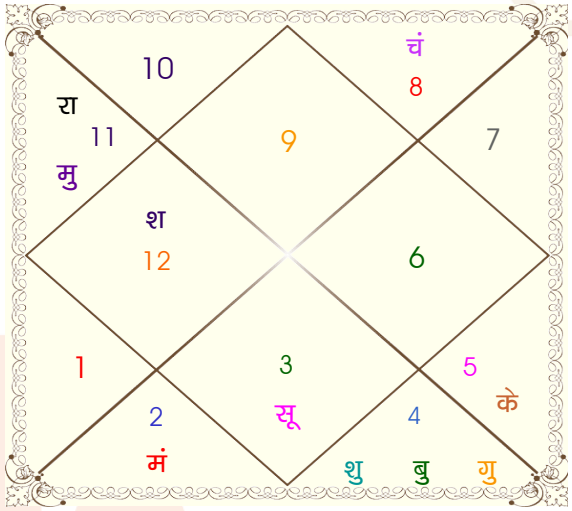

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में भी समर्थ रहेंगी। सामाजिक जनों से इस मास में आपको पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा मिलेगी एवं सभी लोग आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इसके साथ ही दूसरे लोगों के परोपकार संबधी कार्य भी आपके द्वारा सम्पन्न होंगे। लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपके बन्धु एवं मित्रों से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी इच्छाएं भी इस समय में पूर्ण होंगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होगा।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे। अतः आप शीत से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप न्यूनाधिक मात्रा में हानि प्राप्त कर सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

दशम् मास
30/07/2026 06:50:59 से 30/08/2026 12:15:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	22:30:13
सूर्य		कर्क	पुष्य	12:42:00
चन्द्र		मकर	श्रवण	17:45:28
मंगल		वृष	मृगशिरा	27:31:20
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:55:09
गुरु		कर्क	पुष्य	12:18:01
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:48:09
शनि	व	मीन	रेवती	20:30:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	06:49:04
केतु	व	सिंह	मघा	06:49:04
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:48:28

मासाधिपति

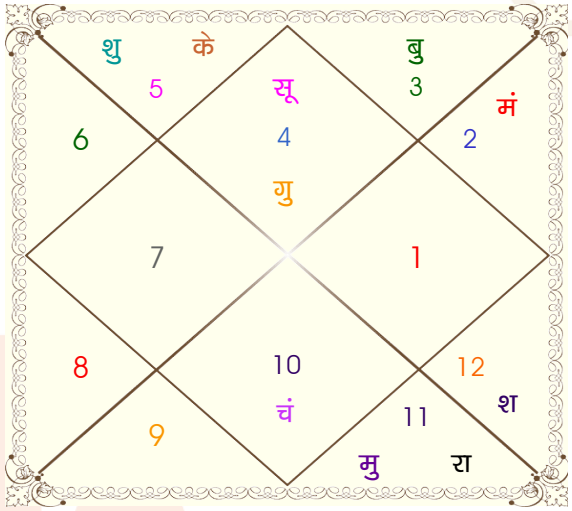

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभ फल अल्प तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय शत्रुओं से आप पराजित रहेंगी तथा उनसे आपको भय तथा चिन्ता रहेगी। साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी की संभावना बनी रहेगी।अतः सावधान रहने की आवश्यकता होगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः धनाभाव से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा।साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकती हैं। साथ ही आपके सांसारिक महत्व के कामों में व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे तथा इनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप खिन्न तथा बैचेन रहेंगी। इसके साथ ही मुकद्दमे आदि में भी आप का धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः बुद्धिमता एवं संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में समय समय पर शुभ फल भी मिलते रहेंगे। अतः आप उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगी एवं अपने महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त किसी नवीन वस्त्र की प्राप्ति या द्रव्यार्जन करने में भी आप सफल हो सकेंगी।

एकादश मास
30/08/2026 12:15:04 से 30/09/2026 07:21:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	02:20:00
सूर्य		सिंह	मघा	12:42:00
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:02:49
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	18:04:10
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:12:13
गुरु		कर्क	आश्लेषा	19:06:21
शुक्र		कन्या	चित्रा	27:33:00
शनि	व	मीन	रेवती	19:32:36
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:09:47
केतु	व	सिंह	मघा	05:09:47
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:18:28

मासाधिपति

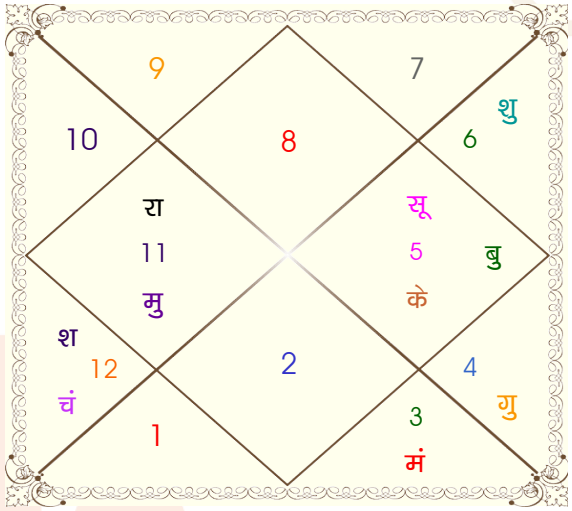

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा अतः इनसे भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इस मास में आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन होगा या कोई कार्य छूट भी सकता है। इसके साथ ही समाज में अन्य लोगों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे एवं आपस में विवाद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा। इस समय आपकी धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता हैं। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ काथ अल्प मात्रा में शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने बुद्धि चातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी एवं सुख की भी अनुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप न्यूनाधिक सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास
30/09/2026 07:21:51 से 30/10/2026 14:02:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	24:25:33
सूर्य		कन्या	हस्त	12:42:00
चन्द्र		मेष	भरणी	26:31:13
मंगल		कर्क	पुष्य	06:55:01
बुध		तुला	चित्रा	05:12:58
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:11:34
शुक्र		तुला	स्वाति	14:03:37
शनि	व	मीन	रेवती	17:25:04
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:31:52
केतु	व	सिंह	मघा	03:31:52
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:48:28

मासाधिपति

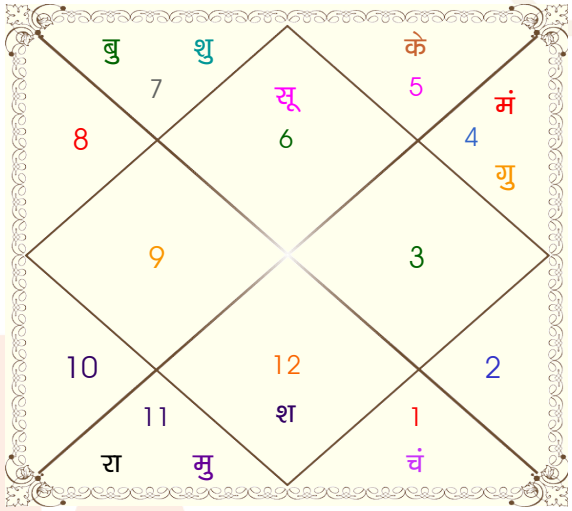

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता बनी रहेगी। शत्रु पक्ष इस मास में आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता है। इस समय में आप 1 उच्चाधिकारी वर्ग तथा सरकार की आज्ञा की उपेक्षा न करें तथा विन्रमता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दण्डित भी हो सकती हैं।साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। फलतः आर्थिक क्षेत्र में भी आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगीं जिससे आपके सम्मान को ठेस पहुँचेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपका मनमुटाव रहेगा तथा आपकी इच्छाएं भी अपूर्ण रहेगी अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य आप समय समय पर शुभ फल भी अर्जित करेंगी।अतः आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नति करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकती हैं।